

कृष्णदास संस्कृत सीरीज

२१७

महर्षिकृष्णद्वैपायनव्यासविरचितम्

श्रीवायुमहापुराणम्

संस्कृत मूल, हिन्दी अनुवाद एवं श्लोकानुक्रमणिका सहित

सम्पादक एवं अनुवादक

डॉ० सुधाकर मालवीय

एम.ए., पीएच. डी., साहित्यकार्य

पूर्व विद्वान्, पुराण विभाग

कारिग्राहट्रस्ट, दुर्ग रायनगर, वाराणसी

(लब्धावकाश) संस्कृतविभाग, कलासङ्घाय

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

एवं

पं० चित्तरञ्जन मालवीय

रीडर पुराणविभाग

महामना संस्कृत अकादमी

(प्रथम भाग)



चौखम्बा कृष्णदास अकादमी
वाराणसी

श्रीमद्वायुमहापुराणस्य विषयानुक्रमणिका

अ०	विषयाः	पृष्ठाङ्काः	अ०	विषयाः	पृष्ठाङ्काः
	पूर्वाह्नम्				
१.	प्रक्रियापादः		३२.	युगधर्माः	२२८
१.	अनुक्रमणिकाकथनम्	३	३३.	स्वायम्भुववंशवर्णनम्	२३४
२.	द्वादशवार्षिकसत्रनिरूपणम्	१९	३४-३५.	जम्बूद्वीपवर्णनम्	२४०, २४९
३-६.	सृष्टिप्रकरणम्	२३, २७, ३५, ४०	३६-३८.	पूर्वादिचतुर्दिग्विभागस्थसरः शैलादिकीर्तनम्	२५३, २५६, २५९
२.	उपोद्घातपादः		३९.	शैलस्थितविविधदेवालयकीर्तनम्	२६५
७.	प्रतिसन्धिकीर्तनम्	४७	४०.	देवकूटपर्वतमर्यादाकीर्तनम्	२७१
८.	चतुराश्रमविभागः	५४	४१.	कैलासवर्णनम्	२७४
९.	देवादिसृष्टिवर्णनम्	७०	४२.	देवनदीवर्णनम्	२८१
१०.	मन्वन्तरादिवर्णनम्	८०	४३-४४.	केतुमालवर्णनम्	२८८, २९२
११.	पाशुपतयोगः	८८	४५.	भारतवर्षवर्णनम्	२९४
१२.	योगोपसर्गः	९४	४६.	किंपुरुषादिवर्षवर्णनम्	३०५
१३.	योगैश्वर्याणि	९८	४७.	गङ्गावतारवर्णनम्	३०९
१४-१५.	पाशुपतयोगः	१०१, १०५	४८.	जम्बूद्वीपान्तर्वर्तिद्वीपवर्णनम्	३१६
१६.	शौचाचारलक्षणम्	१०७	४९.	प्लक्षद्वीपादिवर्णनम्	३२०
१७.	परमाश्रमप्राप्तिकथनम्	११०	५०-५१.	ज्योतिष्यचारः	३३६, ३५४
१८.	यतिप्रायश्चित्तविधिः	१११	५२.	ध्रुवचर्या	३६१
१९.	अरिष्टानि	११४	५३.	ज्योतिः सान्निवेशः	३७०
१०.	ओङ्कारप्राप्तिलक्षणम्	११८	५४.	नीलकण्ठस्तवः	३८१
२१.	कल्पनिरूपणम्	१२३	५५.	लिङ्गोद्भवस्तवः	३९२
२२.	कल्पसंख्यानिरूपणम्	१३०	५६.	पितृवर्णनम्	३९९
२३.	माहेश्वरावतारयोगः	१३३	५७.	यज्ञप्रवर्तनम्	४०८
२४.	शार्वस्तवः	१५१	५८.	चतुर्युगाख्यानम्	४२०
२५.	मधुकैटभोत्पत्तिविनाशवर्णनम्	१६६	५९.	ऋषिलक्षणम्	४३२
२६.	स्वरोत्पत्तिः	१७५	६०.	महास्थानतीर्थवर्णनम्	४४३
२७.	महादेवतनुवर्णनम्	१८०	६१.	प्रजापतिवंशानुकीर्तनम्	४५१
२८.	ऋषिवंशवर्णनम्	१८६		उत्तरार्द्धम्	
२९.	अग्निवंशवर्णनम्	१९०	१.	पृथिवीदोहनम्	४६९
३०.	दक्षशापवर्णनम्	१९५	२.	पृथुवंशानुकीर्तनम्	४८७
३१.	देववंशवर्णनम्	२२२	३.	वैवस्वतसर्गवर्णनम्	४९३

अ० विषयाः	पृष्ठाङ्काः	अ० विषयाः	पृष्ठाङ्काः
३. अनुषङ्गपादः		२८. सोमोत्पत्तिः	७१८
४. प्रजापतिवंशानुकीर्तनम्	४९७	२९. चन्द्रवंशकीर्तनम्	७२३
५-८. काश्यपीयप्रजासर्गः	५१२, ५२७, ५४०, ५४४	३०. रजियुद्धवर्णनम्	७३४
९. ऋषिवंशानुकीर्तनम्	५७६	३१. चन्द्रवंशकीर्तनम्	७४४
१०. श्राद्धप्राक्रियारम्भः	५८५	३२. कार्तवीर्यार्जुनोत्पत्तिविवरणम्	७५५
११-१६. श्राद्धकल्पः	५९३, ६०४, ६०८, ६१५, ६२०, ६३२	३३. ज्यामघवृत्तान्तकथनम्	७६१
१७. श्राद्धकल्पे ब्राह्मणपरीक्षा	६४०	३४. विष्णुवंशवर्णनम्	७६६
१८. श्राद्धकल्पे दानफलम्	६५०	३५. शम्भुस्तवकीर्तनम्	७८९
१९. तिथिविशेषे श्राद्धफलम्	६५६	३६. विष्णुमाहात्म्यकीर्तनम्	८०६
२०. नक्षत्रविशेषे श्राद्धफलम्	६५९	३७. तुर्वस्वादिपुरुवंशवर्णनम्	८१८
२१. भिन्नकालिकतृप्तिसाधनद्रव्यविशेष- गयाश्राद्धादिफलकीर्तनम्	६६१	४. उपसंहारपादः	
२२. वरुणवंशवर्णनम्	६७२	३८. सप्तमन्वादिचतुर्दशमनुपर्यन्तानां विवरणम्	८५७
२३. वैवस्वतमनोः सृष्टिकथनम्	६८०	३९. महर्लोकादिशिवपुरपर्यन्तविवरणम्	८७९
२४. वैवस्वतमनुवंशप्रसङ्गे गान्धर्वमूर्च्छना- लक्षणकथनम्	६८३	४०-४१. प्रलयादिपुनः सृष्टिविवरणम्	९११, ९२३
२५. गीतालङ्कारनिर्देशः	६८९	४२. व्याससंशयापनोदनम्	९३०
२६-२७. वैवस्वतमनुवंशवर्णनम्	६९४, ७१५	४३-५०. गयामाहात्म्यम्	९४०, ९४५, ९५४, ९६०, ९६९, ९७५, ९८२, ९९१

॥ इति श्रीमद्वायुमहापुराणविषयानुक्रमणिका ॥

विषय सूची

	पूर्वाब्द्ध		
१. प्रक्रियापाद			
१. वायुपुराण की अनुक्रमणिका	३	२४. शार्वस्तव	१५१
२. बारह वर्षों तक चलने वाले यज्ञ का निरूपण	१९	२५. मधुकैटभोत्पत्तिविनाश वर्णन	१६६
३. प्रजापति की सृष्टि का वर्णन	२३	२६. स्वरोत्पत्ति निरूपण	१७५
४. प्राचीन ऋषियों की विचित्र सृष्टि का वर्णन	२७	२७. महादेव के शरीर का वर्णन	१८०
५. सृष्टिप्रकरण	३५	२८. ऋषिवंश कीर्तन	१८६
६. सृष्टिप्रकरण	४०	२९. अग्निवंश वर्णन	१९०
२. उपोद्घातपाद		३०. दक्षशाप वर्णन	१९५
७. कल्पों की प्रतिसन्धि का वर्णन	४७	३१. देववंश वर्णन	२२२
८. चतुराश्रम विभाग वर्णन	५४	३२. युगधर्म	२२८
९. देव आदि की सृष्टि का वर्णन	७०	३३. स्वायम्भुव वंश वर्णन	२३४
१०. मन्वन्तरों का वर्णन	८०	३४. जम्बूद्वीप वर्णन	२४०
११. पाशुपतयोग निरूपण	८८	३५. जम्बूद्वीप वर्णन	२४९
१२. योगोपसर्ग कथन	९४	३६. भुवनविन्यास	२५३
१३. योगैश्वर्य निरूपण	९८	३७. भुवनविन्यास	२५६
१४. पाशुपतयोग निरूपण	१०१	३८. भुवनविन्यास	२५९
१५. पाशुपतयोग निरूपण	१०५	३९. भुवनविन्यास	२६५
१६. शौचाचार लक्षण निरूपण	१०७	४०. भुवनविन्यास	२७१
१७. परमाश्रम विधि कथन	११०	४१. भुवनविन्यास	२७४
१८. यति प्रायश्चित्त विधिकथन	१११	४२. भुवनविन्यास	२८१
१९. अरिष्ट निरूपण	११४	४३. भुवनविन्यास	२८८
२०. ओङ्कारप्राप्ति लक्षण निरूपण	११८	४४. भुवनविन्यास	२९२
२१. कल्प निरूपण	१२३	४५. भुवनविन्यास	२९४
२२. कल्पसंख्यानिरूपण	१३०	४६. भुवनविन्यास	३०५
२३. माहेश्वरावतारयोग	१३३	४७. भुवनविन्यास	३०९
		४८. भुवनविन्यास	३१६
		४९. भुवनविन्यास	३२०
		५०. ग्रह एवं नक्षत्रों का भ्रमण	३३६
		५१. ग्रह एवं नक्षत्रों का भ्रमण	३५४
		५२. ग्रह एवं नक्षत्रों का भ्रमण	३६१

५३. ज्योति सन्निवेश	३७०	२१. गया श्राद्ध का फल	६६१
५४. नीलकण्ठ की स्तुति	३८१	२२. वरुणवंश वर्णन	६७२
५५. लिङ्गोद्भवस्तव	३९२	२३. वैवस्वतमनुवंश वर्णन	६८०
५६. पितरों का वर्णन	३९९	२४. गन्धर्वों की मूर्च्छना	६८३
५७. यज्ञ वर्णन	४०८	२५. गीतालङ्कार वर्णन	६८९
५८. चतुर्युग वर्णन	४२०	२६. वैवस्वतमनुवंश वर्णन	६९४
५९. ऋषियों के लक्षण	४३२	२७. मैथिलवंश वर्णन	७१५
६०. महास्थानतीर्थवर्णन	४४३	२८. चन्द्रमा का जन्म वृत्तान्त	७१८
६१. प्रजापति के वंश का वर्णन	४५१	२९. चन्द्रवंश का वर्णन	७२३
उत्तरार्द्ध		३०. रजियुद्धवर्णन	७३४
१. पृथिवी का दोहन	४६९	३१. ययातिप्रसव कीर्तन	७४४
२. पृथु के वंश का वर्णन	४८७	३२. कार्तवीर्यार्जुनोत्पत्ति वर्णन	७५५
३. वैवस्वत मन्वन्तर की सृष्टि का वर्णन	४९३	३३. ज्यामघ वृत्तान्त वर्णन	७६१
३. अनुषङ्गपाद		३४. विष्णुवंश वर्णन	७६६
४. प्रजापति के वंश का वर्णन	४९७	३५. विष्णुमाहात्म्य वर्णन	७८९
५. कश्यप ऋषि की प्रजा का वर्णन	५१२	३६. विष्णुमाहात्म्य वर्णन	८०६
६. कश्यप की प्रजा सृष्टि का वर्णन	५२७	३७. ययाति के पुत्रों का वंशवर्णन	८१८
७. कश्यप की सन्ततियों की सृष्टि का वर्णन	५४०	४. उपसंहारपाद	
८. कश्यप ऋषि की प्रजा सृष्टि	५४४	३८. मन्वन्तरों का वर्णन	८५७
९. ऋषि वंश का वर्णन	५७६	३९. भूलोक आदि की व्यवस्था एवं शिवपुर का वर्णन	८७९
१०. श्राद्ध की प्रक्रिया	५८५	४०. प्रतिसर्ग वर्णन	९११
११. श्राद्ध कल्प	५९३	४१. सृष्टि वर्णन	९२३
१२. श्राद्ध कल्प	६०४	४२. व्यासजी की सन्देह निवृत्ति का वर्णन	९३०
१३. श्राद्ध कल्प	६०८	४३. गया माहात्म्य वर्णन	९४०
१४. श्राद्ध कल्प	६१५	४४. गया माहात्म्य वर्णन	९४५
१५. श्राद्ध कल्प में तीर्थयात्रा	६२०	४५. गया माहात्म्य वर्णन	९५४
१६. श्राद्ध कल्प	६३२	४६. गया माहात्म्य वर्णन	९६०
१७. श्राद्ध कल्प	६४०	४७. गया माहात्म्य वर्णन	९६९
१८. श्राद्ध कल्प में दान का फल	६५०	४८. गया माहात्म्य वर्णन	९७५
१९. विशेष तिथि में श्राद्ध का फल	६५६	४९. गया माहात्म्य वर्णन	९८२
२०. विशेष नक्षत्रों में श्राद्ध का फल	६५९	५०. गया माहात्म्य वर्णन	९९१

कृष्णदास संस्कृत सीरीज

२९७

महर्षिकृष्णद्वैपायनव्यासविरचितम्

श्रीवायुमहापुराणम्

संस्कृत मूल, हिन्दी अनुवाद एवं श्लोकानुक्रमणिका सहित

सम्पादक एवं अनुवादक

डॉ० सुधाकर मालवीय

एम.ए., पीएच.डी., साहित्याचार्य

पूर्व विद्वान्, पुराण विभाग

काशीराजट्रस्ट, दुर्ग रामनगर, वाराणसी

(लब्धावकाश) संस्कृतविभाग, कलासङ्ग्रह

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

एवं

पं० चित्तरञ्जन मालवीय

रीडर पुराणविभाग

महाभारत संस्कृत अकादमी

(द्वितीय भाग)



चौखम्बा कृष्णदास अकादमी
वाराणसी